भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

13.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 4954

परमाणु विद्युत सृजन की हिस्सेदारी

4954. प्रो. सौगत राय:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में परमाणु विद्युत सृजन का प्रतिशत हिस्सा अन्य विद्युत सृजन के स्त्रोतों की तुलना में काफी कम है;

(ख) यदि हाँ, तो गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) चालू पंचवर्षीय योजना के अंत तक देश में परमाणु विद्युत का प्रत्याशित हिस्सा कितना है;

(घ) देश में परमाणु विद्युत सृजन के लिए कुल निवेश का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या परमाणु विद्युत सृजन, विद्युत सृजन के अन्य स्त्रोतों से महंगा है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्रि कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में, देश में हुए कुल विद्युत उत्पादन में नाभिकीय विद्युत का हिस्सा नीचे दिए अनुसार है :

वर्ष	उत्पादन में नाभिकीय विद्युत के हिस्से का प्रतिशत
2011-12	3.68
2012-13	3.60
2013-14	3.50
2014-15 (अप्रैल से जुलाई, 2014)	3.14

स्त्रोत : केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

(ग) देश में हुए कुल विद्युत उत्पादन में से, नाभिकीय विद्युत के हिस्से में, XIIवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक अतिरिक्त नाभिकीय क्षमता के निर्माणाधीन रिएक्टरों के क्रमिक रूप से पूरा होने के साथ धीरे-धीरे वृद्धि होने की आशा है। XIIवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक (वर्ष 2017) देश में नाभिकीय विद्युत का हिस्सा, विभिन्न अन्य स्त्रोतों से हुए उस समय के उत्पादन पर भी निर्भर करेगा।

(घ) 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के नाभिकीय बिजलीघरों (वर्तमान में प्रचालनरत) को स्थापित करने में किए गए कुल निवेश की राशि 21982.20 करोड़ रुपए (एनपीसीआईएल का सकल ब्लॉक) थी। इसके अतिरिक्त, 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की उन परियोजनाओं जोकि, वर्तमान में कमीशनिंग/निर्माण (प्रमुख कार्य प्रगति पर) के विभिन्न चरणों में हैं, के संबंध में 26084.34 करोड़ रुपए की राशि निवेश की गई है। तमिलनाडु में कलपाक्कम में, भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनि) द्वारा क्रियान्वित की जा रही प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) परियोजना में 4541.60 करोड़ रुपए की राशि निवेश की गई है। सरकार ने, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) यूनिट 1 तथा 2 के लिए परियोजना-पूर्व कार्यकलापों हेतु, 42.6 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की है।

(ङ.) तथा (च) जी, नहीं। नाभिकीय ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित विद्युत की शुल्क-दर, उस इलाके/क्षेत्र में अवस्थित समकालीन और परम्परागत बेस लोड विद्युत उत्पादन यूनिटों (जैसेकि कोयला-आधारित ताप विद्युत) की शुल्क-दर के साथ तुलनीय है।

* * * * * * *